

ओणम कथा

2022

Onam

Katha 2022

<https://pdffile.co.in/>

ओणम कथा | Onam Katha

चिरकाल में राजा बलि की दानी होने की चर्चा तीनों लोकों में थी। राजा बलि भगवान श्रीहरि विष्णु के अनन्य भक्त थे। हालांकि, उन्हें अपने पराक्रम और दानवीरता पर घमंड हो गया था। यह जान एक बार भगवान ने अपने भक्ति की परीक्षा ली। इस परीक्षा में राजा बलि पास तो हो गए, लेकिन उन्हें अति दानवीरता के चलते पाताल लोक में स्थान प्राप्त हुआ। कथा अनुसार, राजा बलि यज्ञ संपन्न होने के बाद भगवान के वामन अवतार को दान मांगने के लिए कहा। तब भगवान ने तीन पग जमीन मांग ली। पहले पग में धरती और दूसरे पग में नभ को नाप लिया। अंतिम पग न मिलने पर राजा बलि ने अपना मस्तिष्क दे दिया। भगवान के चरण स्पर्श करते ही राजा बलि पाताल लोक पहुंच गए। इससे प्रजा में हाहाकार मच गया। तब भगवान ने राजा बलि को वरदान दिया कि राजा बलि साल में एक बार प्रजा की भलाई के लिए 10 दिनों तक धरती लोक पर आ सकते हैं। उस समय से ओणम पर्व मनाया जाता है।

ओणम पर्व से जुड़ी कथा

महाबली, पहलाद के पोते थे। पहलाद जो असुर हिरनकश्यप के बेटे थे, लेकिन फिर भी वे विष्णु के भक्त थे। अपने दादा की तरह महाबली भी बचपन से ही विष्णु भक्त थे। समय के साथ महाबली बड़े होते गए और उनका साम्राज्य विशाल होते चला गया। वे एक बहुत अच्छे, पराक्रमी, न्यायप्रिय, दानी, प्रजा का भला सोचने वाले राजा थे। महाबली असुर होने के बाद भी धरती एवं स्वर्ग पर राज्य किया करते थे। धरती पर उनकी प्रजा उनसे अत्याधिक प्रसन्न रहती थी, वे अपने राजा को भगवान् के बराबर दर्जा दिया करते थे। इसके साथ ही महाबली में घमंड भी कहीं न कहीं आने लगा था। ब्रह्मांड में बढ़ती असुरी शक्ति को देख बाकि देवी देवता घबरा गए, उन्होंने इसके लिए विष्णु जी की मदद मांगी। विष्णु जी इसके लिए मान जाते हैं।

विष्णु जी महाबली को सबक सिखाने के लिए, सभी देवी देवताओं की मदद के लिए माता अदिति के बेटे के रूप में 'वामन' बन कर जन्म लेते हैं। ये विष्णु जी का पांचवां अवतार होते हैं। एक बार महाबली इंद्र से अपने सबसे ताकतवर शस्त्र को बचाने के लिए, नर्मदा नदी के किनारे अश्वमेव यज्ञ करते हैं। इस यज्ञ की सफलता के बाद तीनों लोकों में असुर शक्ति और अधिक ताकतवर हो जाती। महाबली बोलते हैं, इस यज्ञ के दौरान उनसे जो कोई जो कुछ मांगेगा उसे दे दिया जायेगा। इस बात को सुन वामन इस यज्ञ शाला में आते हैं। ब्राह्मण के बेटे होने के कारण महाबली उन्हें पूरे सम्मान के साथ अंदर लाता है। महाबली वामन से बोलता है कि वो उनकी किस प्रकार सेवा कर सकता है, उन्हें उपहार में क्या दे सकता है। वामन मुस्कराते हुए कहते हैं, मुझे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, बस मुझे तो 3 डग जमीन दे दो।

ये बात सुन महाबली के गुरु समझ जाते हैं कि ये कोई साधारण बालक नहीं है, वे महाबली को उनकी इच्छा पूरी न करने को कहते हैं। लेकिन महाबली एक अच्छे राजा थे, वे अपने वचनों के पक्के थे, उन्होंने वामन को हाँ कर दिया। महाबली वामन को अपनी इच्छा अनुसार भूमि लेने के लिए बोलते हैं। ये बात सुन वामन अपने विशाल रूप में आ जाते हैं। उनके पहले कदम में सारी धरती समा जाती है, उनके दूसरे कदम में स्वर्गलोक आ जाता है। अब उनके तीसरे कदम के लिए राजा के पास कुछ नहीं होता है, तो अपने वचन को पूरा करने के लिए, राजा अपना सर वामन के पैर के नीचे रख देते हैं। ऐसा करते ही, राजा धरती में पाताललोक में समा जाते हैं। पाताललोक में जाने से पहले महाबली से एक इच्छा पूछी जाती है। महाबली विष्णु जी से मांगते हैं कि हर साल धरती में ओणम का त्यौहार उनकी याद में मनाया जाए, और उन्हें इस दिन धरती में आने की अनुमति दी जाये, ताकि वे यहाँ आकर अपनी प्रजा से मिलकर, उनके सुख दुःख को जान सकें।

ओणम की पूजा का शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार इस साल थिरुवोणम् 07 सितंबर 2022 को सायंकाल 04:05 बजे से प्रारंभ होकर 08 सितंबर 2022 को दोपहर 01:40 बजे तक रहेगा। चूंकि ओणम का पावन पर्व थिरुवोणम् नक्षत्र में मनाते हैं, इसलिए यह इस साल 08 सितंबर 2022 को मनाया जाएगा। इस साल ओणम पर सुकर्मा व रवि जैसे शुभ योग बन रहे हैं। मान्यता है कि इसमें विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

pdffile.co.in

<https://pdffile.co.in/>